● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र
BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

02 बीन बरसात के हरख टोला मुख्य मार्ग गंडक नदी कटाव से विलीन होने के कगार पर
04 नायरा हुसैन ने प्रथम रोजा रख बनाया मिशाल

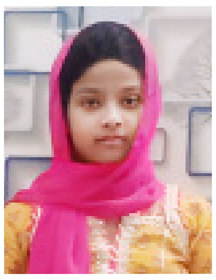

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 23 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 05, अंक: 23

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Kuraniya May, Purnahia, Ghorasahan, East Champaran - 9006421583

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद राज्यपाल रवि ने पोनमुडी को शपथ दिलाने की सहमति दी

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने उच्चतम न्यायालय के सख्त रुख के एक दिन बाद शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष कहा कि द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक के पोनमुडी को आज अपराह्न साढ़े तीन बजे मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने आज इस मामले में कहा कि राज्यपाल यह बताना चाहते थे कि उनका शीर्ष अदालत के आदेश की अवहेलना करने का कोई इरादा नहीं था। शीर्ष अदालत ने राज्यपाल के इस बयान को रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर अंतरिम आवेदन का निपटारा कर दिया।

तमिलनाडु सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी, ए एम सिंघवी और पी विल्सन ने अदालत को बताया राज्यपाल ने नरम रुख अपनाया है और श्री पोनमुडी को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया है। शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार के एक आवेदन पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को राज्यपाल के रुख पर नाराजगी व्यक्त करत हुए अटॉर्नी जनरल से कहा था कि उसे राज्यपाल के खिलाफ टिप्पणी करनी पड़ सकती है। पीठ ने कहा था, "वह (राज्यपाल) न्यायालय की अवहेलना कर रहे हैं।

नरेंद्र मोदी भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

थिम्पू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को यहां भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऱदि ऑर्डर ऑफ दि द्रुक ग्यालपोऱ से सम्मानित किया गया। भूटान की राजधानी थिम्पू के तेंद्रेलथांग में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने श्री मोदी को अपने देश के इस सर्वोच्च अलंकरण से सुशोभित किया जो जीवनकाल की उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया जाता है।

श्री मोदी पहले विदेशी नेता हैं जिन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया है। अलंकरण के उद्धरण में कहा गया है कि यह पुरस्कार श्री मोदी की व्यक्तिगत उपलब्धियों, नेतृत्व और भारत और भूटान के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है। यह उनके नेतृत्व में भारत के वैश्विक शक्ति के रूप में उदय का भी सम्मान करता है, और भारत के साथ भूटान के विशेष बंधन का उत्सव मनाता है। उद्धरण में आगे कहा गया है कि श्री मोदी के नेतृत्व ने भारत को परिवर्तन के पथ पर अग्रसर किया है, और भारत की नैतिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव बढ़ा है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि यह अलंकरण भारत के 1.4 अरब लोगों को दिया गया सम्मान है और दोनों देशों के बीच विशेष एवं अद्वितीय संबंधों का प्रमाण है। भूटान नरेश ने दिसंबर 2021 में थिम्पू के ताशीछोडज़ोंग में आयोजित भूटान के 114वें राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान श्री मोदी को यह पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की थी। यह पुरस्कार भारत-भूटान मित्रता और उनके जन केंद्रित नेतृत्व को मजबूत करने में श्री मोदी के योगदान को मान्यता देता है।

श्री मोदी भूटान की एक दिन की यात्रा पर आज सुबह पारो पहुंचे जहां से वह सड़क मार्ग से थिम्पू आये। पारो से थिम्पू तक की यात्रा के दौरान लोगों ने उनका स्वागत किया। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे उनके सम्मान में यहां दोपहर का भोज आयोजित किया।

> दोनों नेताओं ने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, युवा आदान-प्रदान, पर्यावरण और वानिकी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति बनाई। उनकी मौजूदगी में ऊर्जा, व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, कृषि, युवा संपर्क आदि पर सात समझौता ज्ञापनों/समझौतों का आदान-प्रदान किया गया।

देश में अघोषित आपातकाल जैसी परिस्थिति : 'आप'

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने यहां प्रदर्शन किया और कुछ नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। कार्यकर्ताओं ने सुबह से ही पार्टी मुख्यालय पहुंचने की कोशिश की जिन्हें पुलिस ने जगह-जगह रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए भाजपा और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने जगह-जगह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, विधायकों और पार्षदों के साथ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

'आप' के राष्ट्रीय संगठन महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने कहा, " आज देश में एक अघोषित आपातकाल जैसी परिस्थिति पैदा हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सभी विपक्षी दलों को खत्म करने के लिए उनके नेताओं को या तो जेल में डाल रही है या फिर उनको डरा-धमका कर अपनी पार्टी में शामिल करा रही है। विपक्षी दलों के जो भी नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उनको तो क्लीन चिट मिलते जा रही है। लेकिन जो भी नेता भाजपा की तानाशाही का विरोध

कर रहे हैं उन पर अन्याय, अत्याचार हो रहा है और उनको गिरफ्तार किया जा रहा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन का एलान किया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिस तरह से पुलिस का दुरुपयोग कर रही है, वह अकल्पनीय है। ऐसा भारत के राजनैतिक इतिहास में शायद ही पहले कभी हुआ होगा। भाजपा के खिलाफ धरना-प्रदर्शन के एलान के बाद आम

> कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा," यह जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, उससे लगता है कि इन्होंने सचमुच देश के अंदर तानाशाही घोषित कर दी है। ऐसी खबर मिल रही है कि पार्टी कार्यालय को भी चारों तरफ से सील कर दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के परिवार को भी नज़रबंद कर लिया गया है, किसी को भी आने जाने नहीं दिया जा रहा है।

आदमी पार्टी के कई नेताओं को गुरुवार रात से घर में नजरबंद कर दिया गया है। वहीं, पार्टी के जो लोग सुबह-सुबह अपने घर से आम आदमी पार्टी के ऑफिस के लिए निकल रहे थे, उनको हिरासत में ले लिया गया।"

उन्होंने कहा, " शांतिपूर्वक तरीके से धरना देना हमारा मूलभूत अधिकार है लेकिन प्रधानमंत्री को शांतिपूर्ण तरीके से धरना देना भी बर्दास्त नहीं होता है। उनके मन में इतनी नफरत भरी पड़ी है कि आम आदमी पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता, नेता को गिरफ्तार करवा रहे हैं।"

विरोध में प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।"

उन्होंने कहा, " देश में पूरी तरह से गुंडागर्दी चल रही है। केजरीवाल के परिवार वालों को घर में नजरबंद किया हुआ है। उनकी मां एक दिन पहले ही अस्पताल से आई थीं और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके परिवार वालों को किसी से मिलने नहीं दिया जा रहा। आइटीओ में जाने नहीं दिया जा रहा है और शांतिपूर्ण धरने को रोका जा रहा है। आइटीओ जाने की कोशिश करने पर पुलिस वाले हमको उठा कर फेंक रहे हैं। केवल लोकसभा चुनाव जीतने के लिए इस तरह की तानाशाही का जा रही है।"

'आप' के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने कहा कि एक फर्जी केस में पार्टी के चार बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के परिवार को कल रात से ही नज़रबंद कर रखा गया है। अब आम आदमी पार्टी के मंत्रियों और नेताओं को हिरासत में लिया गया है। यह तानाशाही नहीं तो और क्या है?"

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

नीतीश के काम का यश लेना चाह रहे तेजस्वी

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को यहां कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव नीतीश सरकार में हुए विकास कार्यों को गिनवाकर राजनीति चमकाने की पुरजोर कोशिश में हैं। तेजस्वी प्रसाद यादव 17 महीनों का श्रेय लेने से पहले अक्सर यह भूल जाते हैं कि सरकार का हर निर्णय कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री की सहमति से ही लिया जाता है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव नीतीश सरकार में हुए विकास कार्यों को गिनवाकर राजनीति चमकाने की पुरजोर कोशिश में हैं।

उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बेहिसाब झूठ बोलने से तथ्य नहीं बदल सकते हैं। बिहार की परिपक्व जनता राजद के सफेद झूठ और दुष्प्रचार के मायाजाल में कभी नहीं फंसेगी। विगत 18 वर्षों के दौरान प्रदेश में हुए सकारात्मक परिवर्तन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अथक प्रयासों की परिणति है। उन्होंने पूछा कि आखिर किन कारणों से तेजस्वी माता-पिता के 15 सालों के शासन की चर्चा करने से कतराते हैं?

उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा राजद सरकार के कामों की चर्चा नहीं करना इस बात की पुष्टि करता है कि उन 15 सालों में बिहार के हित में कोई भी काम नहीं हुए। तत्कालीन सरकार द्वारा अपनी तिजोरी को भरने के लिए सिर्फ और सिर्फ जनता की गाढ़ी कमाई को लूटा गया। सत्ता और शासन का दुरुपयोग कैसे किया जाता है उसका नमूना राजद की सरकार ने 15 सालों के दौरान पेश किया था। उन्होंने कहा कि 17 महीनों की चर्चा करने के बजाए तेजस्वी जनता के बीच जाकर 15 सालों के शासनकाल की चर्चा करने की हिम्मत दिखाएं।

राजद प्रत्याशी के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी अभय कुशवाहा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि राजद प्रत्याशी अभय कुशवाहा एवं उनके समर्थकों ने 21 मार्च की रात औरंगाबाद शहर के महाराणा प्रताप चौक से रमेश चौक होते हुए फार्म तक कई वाहनों के साथ जुलूस निकाला और नारेबाजी की।

बेकाबू ट्रक ने रौंदा, चार की मौत

पटना। राज्य के भोजपुर जिले में बेकाबू ट्रक ने शुक्रवार को बाइक सवार छह लोगों को रौंद दिया, जिसमें चार की मौत हो गई जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के मुताबिक भोजपुर जिले के बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर दो बाइक पर छह लोग सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान बेकाबू ट्रक ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी और रौंदते हुए आगे बढ़ गया। बाइक सड़क पर कई मीटर तक घिसटती रही। दुर्घटना में मौके पर ही दो लोगों ने दम तोड़ दिया जबकि अन्य दो की मौत इलाज के दौरान हुई। मृतकों में सिकरहटा की नऊवां गांव निवासी संजू देवी, शिवानी कुमारी, ओमजी और वीर कुवर राम हैं। गंभीर रूप से घायलों में अभिषेक कुमार और अन्टू कुमार हैं।

पीरो के डीएसपी राहुल सिंह के अनुसार पहले दो बाइक के बीच टक्कर होने के बाद पीछे से ट्रक द्वारा कुचले जाने की बात सामने आ रही है। घटनास्थल पर पीरो थाना के अलावा सिकरहटा और इमादपुर थाना की पुलिस पहुंचकर सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने बुझाने में लगी हुई है। हादसा पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे के आसपास की है।

जहरीले फल खाने वाले 7 में से दो बच्चों की हालत गंभीर

नवादा।नवादा में जंगली फल खाने से बीमार 7 में से दो बच्चो की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने शुक्रवार की शाम बीमार बच्चों के परिजनों को हायर सेंटर में ले जाकर इलाज कराने की सलाह दी है। दो बच्चे की हालत बिगड़ गयी है. सभी को नवादा सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी का इलाज किया जा रहा है ,बहरहाल बच्चों की हालत खराब बतायी जा रही है. बता दें कि यह घटना जिले के मुफसिल थाने के गोनवां गांव में हुई है। नवादा के शिवनगर गोनावां मोहल्ले में यह घटना हुई थी,जिसमें मुहल्ले के विकास कुमार,लक्षण कुमार 8 साल , रौशन कुमार 6 साल, प्रदीप कुमार , संदीप कुमार , आशिक कुमार 12 साल शामिल है।

बीन बरसात के हरख टोला मुख्य मार्ग गंडक नदी कटाव से विलीन होने के कगार पर

बगहा। यूपी सीमा पर ठकरहा के हरख टोला में गंडक नदी द्वारा बीन बरसात के कटाव से मुख्य मार्ग नदी में विलीन होने के कगार पर आ गया है। जिससे नदी तट पर बसे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है।दरअसल ठकराहा प्रखंड के हरख टोला में गंडक नदी तेज़ी से कटाव कर रहीं है कटाव तो पीछे कई दिनों से जारी है लिहाजा गाँव से प्रखंड को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग सहित कई लोगों के घर नदी में समाहित होने के कगार पर आ गए हैं,और जल संसाधन विभाग की ओर से इस पर कोई रोक थाम की कवायद नहीं होने से गंडक दियारावर्ती इलाके के लोगों की चिंता बढ़ गईं है।बताया जा रहा है की बीन बरसात के मौसम में नदी का कटाव कई दिनों से जारी है। जिससे स्थानीय लोगो को भारी क्षति पहुंच रहीं है, खेत खलिहान और सड़क नदी में विलीन होने के बाद अब घरों को नदी निगलने वाली है।गौरतलब हो की विगत महीने रमेश यादव का घर नदी की धारा में समाहित हो गया था, मौसम के मुताबिक नदी द्वारा कटाव की संभावना अमूमन जून जुलाई के बाद होता है लेकीन बिन मौसम कटाव से ग्रामीणों को काफ़ी नुक्सान हुआ है। नदी के दूसरे किनारे में जमा सिल्ट के कारण धारा वैकल्पिक मार्ग की खोज में अब पूरे हरख टोला गांव को अपने आगोश में लेने के लिए आतुर है। हालांकि ग्रामीणों ने इसकी जानकारी जल संसाधन गंडक विभाग के अधिकारियों को भी दी है, लेकिन कटाव से निराकरण के लिये अब तक कोई निरोधात्मक कार्य नही करवाया गया है। अगर इसी तरह कटाव जारी रहा तो हरख टोला गांव का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा और अब तक इस गांव को बचाने के लिए विगत वर्ष कटाव से बचाव कार्य में खर्च हुए करोड़ो रुपए व्यर्थ साबित होंगे ।

राहत | कोर्ट ने लगाया 50 हजार जुर्माने, सजा बनी नजीर

दुष्कर्मी रिश्तेदार रेलवे कर्मचारी को 14 साल की सश्रम कारावास

अररिया।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार तिवारी के कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में रिश्तेदार रेलवे कर्मचारी को 14 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।अपने फैसले के कोर्ट ने दोषी को 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा भी सुनाई है। जुर्माने की रकम की अदायगी नहीं करने पर दोषी दुष्कर्मी को तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतने के अलावा जुर्माने की रकम दोषी को पीड़िता के पक्ष में करने का आदेश अपने निर्णय में दिया। न्यायालय ने सजा सत्र वाद संख्या 200/2023 में यह फैसला सुनाया।जो अररिया महिला थाना प्राथमिकी कांड संख्या -71/2021 से संबंधित है।

सजा पाए जाने वाले दोषी पीड़िता के रिश्तेदार हैं और रेलवे के कर्मचारी हैं।दोषी दुष्कर्मी रेलवे ग्रुप डी के पद पर कुसियारगांव में पदस्थापित हैं। सजा पाए जाने वाले दोषी कटिहार के मैथिल टोला शिव मंदिर निवासी सुग्रीव साह के 39 वर्षीय पुत्र अभय रंजन उर्फ कुमार अभय रंजन है।

दोषी अभय रंजन ने पंद्रह सितम्बर 2021 को अपनी पत्नी की बीमारी का बहाना बनाकर पीड़िता के माता पिता से घर के कामकाज में सहयोग करने का भरोसा दिलाकर लाया था।पीड़िता के माता पिता ने दोषी रिश्तेदार के यहां पीड़िता को उसके छोटे भाई के साथ भेज दिया। कुसियारगांव में रेलवे के सरकारी क्वार्टर में दोषी ने दोनों भाई बहन को रखा।पत्नी की गैरमौजूदगी में पत्नी के पूर्णिया से शाम तक आने का झांसा देकर पीड़िता और उसके भाई को रोक रखा। फिर 16 सितम्बर 2021 को चाय में मादक पदार्थ देकर छोटे भाई को दूसरे कमरे में भेज दिया गया और दोषी अभय ने बेहोशी की हालत में पीड़िता के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।इतना ही नहीं पीड़िता के साथ दुष्कर्म का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर उसके साथ यौन शोषण करता रहा।पीड़िता के घर जाने की जिद पर प्राइवेट गाड़ी से पूर्णिया छोड़ दिया गया।जहां से पीड़िता किसी तरह घर पहुँची और अपने साथ हुई आपबीती परिजनों को सुनाई।

पीड़िता अपने गृह जिला कटिहार में प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए पुलिस अधीक्षक, कटिहार और स्थानीय थाना क्षेत्र में गई तो क्षेत्राधिकार को लेकर अररिया में ही केस दर्ज करवाने के लिए कहा गया। तब पीड़िता ने महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।इसके बाद भी दोषी के द्वारा पीड़िता को उसका वीडियो वायरल करने और रेलवे के यूनियन का प्रतिनिधि होने का धौस दिखाकर मामले को रफा दफा करने का दबाव बनाया गया। सजा की बिंदु पर सुनवाई करते हुए वरीय अधिवक्ता कृष्ण मोहन सिंह ने दोषी के छोटे छोटे बच्चों और असहाय पत्नी का हवाला देते हुए कम से कम सजा सुनाई जाने की गुहार लगाई।

भागलपुर : मारपीट के मामले में अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक गिरफ्तार

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के कहलगांव अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ आनंद मोहन को मारपीट के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि जिले के इशाकचक थाना में दर्ज मारपीट के मामले में स्थानीय न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के बाद भी कहलगांव अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनंद मोहन जमानत लेने के बजाय फरार चल रहे थे। बाद में न्यायालय से उसके विरुद्ध लाल वारंट जारी हुआ।

निष्पक्ष चुनाव को मोदी से खतरा : अखिलेश

पटना। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने उनकी पार्टी का बैंक खाता सीज किये जाने को लेकर आज केंद्री की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निष्पक्ष चुनाव को खतरा है। डॉ. सिंह ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संविधान में चुनाव आयोग की व्यवस्था इसलिए की गई थी ताकि चुनाव में सभी राजनितिक दलों को समान अवसर प्रदान किया जाए। लेकिन, आज सब कुछ उलटा हो रहा है। कांग्रेस पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की नापाक कोशिश चल रही है। उन्होंने कहा, "दरअसल निष्पक्ष चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से खतरा है। लेकिन, श्री मोदी कांग्रेस को दबा नहीं सकते। हम अंग्रेजों के जबड़े से आजादी छिनने वाली पार्टी हैं।"

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL · AWAKE ARISE ACHIEVE · M.S.M.P.S. · BALGANGA, MOTIHARI
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

स्मार्ट वैल्यू नेटवर्किंग संस्थान पर ठगी का लगा आरोप

पीड़ित युवतियों ने कार्यालय पहुँच किया हंगामा

शिक्षा देने के नाम पर लिया गया था नामांकन

बीएनएम@केसरिया। शिक्षा देने के नाम पर ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर शुक्रवार को दर्जनों युवतियों ने संस्था के कार्यालय पहुँच हंगामा किया। बताया जाता है कि केसरिया के हमीदपुर में स्मार्ट वैल्यू नेटवर्किंग नामक संस्था का केंद्र संचालित है। जिस पर क्षेत्र के युवक-युवतियों से शिक्षा देने के नाम पर ठगी करने का आरोप लगा है। पीड़ित युवती त्रिलोकवा की आशा कुमारी, केसरिया की रजिया खातुन, डेरवां मठिया की अंजली कुमारी सहित अन्य ने बताया कि स्मार्ट वैल्यू नामक संस्था के द्वारा शिक्षा देने के नाम पर नामांकन लिया गया। शिक्षा देने के नाम पर प्रति व्यक्ति करीब 14 हजार रुपया लिया गया। वहीं नामांकन का अलग से शुल्क लिया गया। बताया गया था कि पढ़ाई के साथ साथ कमाई भी होगी। अब संस्थान के द्वारा कहा जा रहा है कि तीन लोगों को संस्थान से जोड़ो नहीं तो रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। वहीं पढ़ाई भी नहीं करायी जा रही है। पीड़ित युवतियों ने इस संस्थान पर शिक्षा के नाम पर ठगी करने का आरोप लगाया है। संस्थान में हंगामे की सूचना पर पहुँची पुलिस ने केंद्र संचालक सुमित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि समाचार प्रेषण तक थाना में कोई आवेदन प्राप्त नहीं था।

प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में पुस्तकों का वितरण

मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में पटना से पधारे मुख्य अतिथि व नोडल पदाधिकारी आलोक कुमार और केंद्र के निदेशक प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों के बीच पुस्तकों का वितरण किया।विदित हो कि पिछड़ा/अति पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए सभी केंद्रों को व्यापक रूप से पुस्तकें भेजी गई थीं। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए नोडल ऑफिसर आलोक कुमार ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए गंभीर अध्ययन और ईमानदारी की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि मोतिहारी का प्रशिक्षण केंद्र राज्य का पांचवां बेहतर केंद्र है इसे प्रथम स्थान तक पहुंचाना आप सबों की जिम्मेदारी है।निदेशक प्रो.अरुण कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना का उद्देश्य वंचितों को सबल बना कर मुख्य धारा से जोड़ना और उनके आत्मसम्मान की वृद्धि करना है।इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम प्रदान कर किया गया।समस्त कार्यक्रम का संचालन प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के समन्वयक प्रो.अमरजीत कुमार चौबे ने किया। इस अवसर पर प्राक के शिक्षक आलोक कुमार, सुधीर कुमार, विकास कुमार और मुन्ना कुमार उपस्थित रहे। कर्मचारियों में मुन्ना पंडित, लालू कुमार चौधरी, संतोष कुमार एवं संजीव कुमार उपस्थित रहे। यह जानकारी केंद्र निदेशक प्रो. अरुण कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

भविष्य में जानलेवा साबित हो सकता है फैटी लीवर : डॉ. दीपक

मोतिहारी। शहर के बैंक रोड़ स्थित अमन हॉस्पिटल में शुक्रवार को निःशुल्क लीवर के फाइबरोस्कैन जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जांच शिविर में लगभग 40 मरीजों के लीवर का निःशुल्क फाइबरोस्कैन किया गया। अमन हॉस्पिटल के डायरेक्टर सह बिहार सरकार के पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.दीपक कुमार ने बताया की भारत में फैटी लीवर के मरीजों की संख्या काफ़ी तेजी से बढ़ रही है।

बिहार के चम्पारण में भी फैटी लीवर की बिमारी तेजी से पांव पसार रहा है। डॉ.दीपक ने बताया की फैटी लीवर को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि फैटी लीवर का कोई लक्षण मिलें तो तुरंत चिकित्सक से मिलना चाहिए, हालांकि शुरुआती स्टेज में फैटी लीवर का कोई लक्षण नहीं मिलता है। अधिकांश मरीजों को अन्य बीमारियों के इलाज के दौरान या अल्ट्रासाउंड करने पर फैटी लीवर की जानकारी होती है, सही समय पर इलाज नहीं होने पर आगे चल कर यही रोग लीवर फाइबरोसीस, लीवर सिरोसीस यहां तक की लीवर कैंसर में तब्दील हो जाता है। फैटी लीवर के गंभीरता या ग्रेड को पता करने के लिए फाइबरोस्कैन एक महत्वपूर्ण जांच है।

यह बिमारी अधिक मात्रा में कार्बोहाईड्रेड, चीनी, मैदा, मिठाई, चावल, तला भुना समान, डिब्बाबंद खाना, मटन, शराब, सेचूरेटेट फैट, ट्रांस फैट आदि के सेवन से बढ़ती है या होती है। इसके बचाव के लिए मनुष्य को संतुलित आहार लेना चाहिए जिसमें कार्बोहाईड्रेड की मात्रा कम हो। फल, हरी पत्तेदार सब्जी, सलाद प्रचूर मात्रा में हो, प्रोटीन और अनसेचूरेटेड फैट का मात्रा भी प्रयाप्त हो, रेगुलर एक्सरसाइज, योग करना चाहिए। शराब का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

जानकारी के लिए बता दें की आम जनता के लाभ हेतु अमन हॉस्पिटल में हर दो या तीन माह पर फाइबरोस्कैन का निःशुल्क जांच शिविर लगाया जाता है। डॉ. कुमार ने कहा कि चम्पारण में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमेशा सराहनीय योगदान रहता है।

इस जांच शिविर में अंकित कुमार, कौशल कुमार, सुधीर कुमार, कुमोद कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, शिव देवी, पूनम देवी राकेश पंडित, उमाकांत गुप्ता, मो. अफ़रोज़ आलम, छठी देवी, कमलेश्वर कुमार, ताहा अंसारी, मीणा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पट्टे में फंसकर सर धड़ से हुआ अलग मचा हाहाकार

बगहा। पुलिस जिला के वाल्मीकिनगर क्षेत्र थानांतर्गत चंपापुर गोनौली पंचायत स्थित गोनौली गांव में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक व्यक्ति की सेलर मशीन में फंसकर सर धड़ से अलग हो गई सूत्रों के मुताबिक ट्रैक्टर से लगे धान कूटने की मशीन सेलर से धान कूटा जा रहा था और धान कूटाई अंतिम चरण में था।तभी मृतक गोपीचंद महतो मशीन के नीचे गिरे चावल के दाने को उठाने गया लेकिन मशीन ऑपरेटर ने मृतक गोपीचंद को मना करते हुए कहा कि मशीन बंद होने जा रहा है तब दाने को उठा लेना मगर मशीन की आवाज में वह नहीं सुन सका और मशीन के नीचे चला गया। मशीन के नीचे घुसते ही गले का गमछा मशीन के पट्टे से फंस गया और मशीन ने मृतक के सिर और गर्दन को अलग कर दिया। किसी के कुछ समझ मे नहीं आया कि 5 सेकेंड के अंदर यह घटना घटित हो गई। इधर यह बात जंगल की आग की तरह चारो तरफ फैल गई और देखते ही देखते लोगों का हुजूम घटनास्थल पर उमड़ पड़ा।

बाइक व कार में रखें 600 बोतल नेपाली सोफिया शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

पताही। पुलिस के द्वारा शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को नन्हकार भूराखल रोड से वैगनार कार से तकरीबन 19 कार्टून मे रखे 560 बोतल नेपाल निर्मित नेपाली सोफिया शराब एवं शराब की एस्कॉर्ट कर रहे रॉयल एनफील्ड बुलेट बाइक से 40 बोतल नेपाली सोफिया शराब बरामद कर एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि पुलिस ने वैगन आर कार जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR05G - 0057 एवं रॉयल एनफील्ड के बुलेट मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR05BC - 5095 के साथ कुल 600 बोतल नेपाली सोफिया शराब के साथ सरैया गोपाल गांव निवासी श्रीकांत तिवारी के पुत्र कृष्णा तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब तस्कर द्वारा शराब की बड़ी खेल वैगनार कार एवं बुलेट मोटरसाइकिल से नन्हकर भुराखाल के रास्ते लाया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एएसआई धनंजय कुमार सहित सशत्र बल द्वारा छापेमारी की गई। जहां से वैगनार कार में रखे तकरीबन 19 कार्टन में रखे 560 बोतल नेपाल निर्मित नेपाली सोफिया शराब। एवं बुलेट मोटरसाइकिल पर पिट्ठू बैग में रखे 40 बोतल नेपाली सोफिया शराब बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार शराब कारोबारी कृष्णा तिवारी ने बताया कि होली को लेकर शराब की खेप लाई गई थी। इसके बाद छोटे-छोटे शराब कारोबारी को शराब पहुंचाने का कार्य करता था। अपने कई शराब कारोबारी के नाम का खुलासा किया है जिसकी नाम गोपनीय रखकर शराब कारोबारी के गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी तेज कर दी गई है। वही छापेमारी अभियान में थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार के नेतृत्व में धनंजय कुमार सहित अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे।

होली पर्व को लेकर थाना परिसर में हुई बैठक

रामगढ़वा। होली और रमजान एवं आचार संहिता को देते हुए थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बरकरार रखने के लिए शांति समिति की एक बैठक थाना अध्यक्ष रमेश महतो की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में थाना क्षेत्र के सभी गणमान्य व्यक्तियों एवम सभी धर्म के लोग उपस्थित हुए।इस अवसर पर थाना अध्यक्ष रमेश महतो ने कहा कि प्रशासन के गाइडलाइन के तहत होली पर्व को शांति पूर्ण ढंग से मनाए।ऐसे व्यक्ति को अबीर गुलाल नहीं लगाए, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे।वही इन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में होली के आउसर पर पुण रूप से डीजे पर प्रतिबंध लगा रहेगा।साथ ही डीजे बजाने वाले वाले वेक्ति अगर डीजे बजाते पकड़ा गया तो डीजे जप्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वही आफवाह फैलाने वाले पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।नशा पान कर और हुडदंग और सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट करने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर पुलिस को सूचना दे। साथी इन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी लोगों से आगरा किया कि कोई भी अफवाह पर ध्यान ना दें और कोई भी दिक्कत या समस्या हो तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें।सोशल मीडिया पर कोई भी गलत टिप्पणी न करें आचार संहिता लागू हो चुका है पुलिस प्रशासन पूरी तरह से नजर बनाई हुई है। बैठक में पूर्व मुखिया वीरेंद्र झा वर्तमान मुखिया राजू सिंह, पूर्व मुखिया पति सुबोध कुमार, मुखिया धीरज कुमार सामाजिक कार्यकर्ता राम प्रकाश रौशन, सरपंच अब्दुल्ला ,मुन्ना पांडे ,सरपंच भारत कुमार, जितेंद्र शर्मा, समिति पति अफरोज खान, दरोगा बिनोद कुमार, शशिभूषण कुमार, राम्बचन भगत, सहित सभी थाना कर्मी मौजूद थे।

मलाही थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम@अरेराज

अनुमंडल क्षेत्र के मलाही थाना मे शुक्रवार के दिन अरेराज अंचला अधिकारी उदय प्रताप सिंह,की अध्यक्षता में बैठक हुई संपन्न।बैठक को संबोधित करते हुए उदय प्रताप सिंह ने बताय कि जुलूस घर-घर घूमकर होली का गीत डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा।ऐसा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया जगह पर होलिका दहन के दिन चौक चौराहे पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि किसी तरह की विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न ना हो।वहीं शांतिपूर्ण माहौल में होली मनाने का अनुरोध किया गया।थानाध्यक्ष अपने क्षेत्र में शराब के धंधे बाज एवं होम डिलीवरी करने वालों पर विशेष नजर रखें और उनके विरुद्ध छापेमारी करें चिन्हित स्थानों पर चौकीदार या जरूरत पड़ने पर पुलिस बल की तैनाती करें ताकि विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न ना हो सके।शराब के धंधे बाज होली में हुड़दंग करने वाले लोगों की गुप्त सूचना दें उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।और उनका नाम गोपनीय रखा जाएगा।साथ ही उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जहां भी विद्युत तार नंगा हो पॉल टूटे हुए हो वहां उनकी मरम्मत कराई जाए ताकि लोगों की होली खुशी के माहौल में संपन्न हो सके। वहीं होली में सबसे जरूरी है कि प्रत्येक नागरिक अपने ऊपर स्वयं की नियंत्रण रखें तो शांतिपूर्ण माहौल में होली संपन्न हो जाएगी।डीएसपी रंजन कुमार,सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष बिनित कुमार, दारोगा बिनोद कुमार, गणमान्य लोग उपस्थित थे।

होली के उपलक्ष्य में 47वीं वाहिनी एस एस बी रक्सौल ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

रक्सौल। होली के उपलक्ष्य में 47वीं वाहिनी एस एस बी रक्सौल (बिहार) में रक्तदान शिविर काच आयोजन वाहिनी- चिकित्सालय द्वारा किया गया।

इस रक्त-दान शिविर में वाहिनी के जवानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यवाहक कमान्डेंट दीपक कृष्ण, उप कमान्डेंट 47वीं वाहिनी की प्रेरणा से उक्त शिविर भारतीय रेड क्रॉस, मोतिहारी के सहयोग से आयोजित किया गया। ताकि असहायों की निःस्वार्थ सेवा हो सके और बल के ध्येय वाक्य "सेवा सुरक्षा और बन्धुत्व" का मकसद भी पूरा हो सके। इस शिविर में वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट दीपक कृष्ण के साथ दो अधीनस्थ अधिकारी एवं 27 जवानों ने रक्तदान कर कुल 30 यूनिट रक्त-दान किया। 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल इसी प्रकार से मानव चिकित्सा शिविर एवम् पशु चिकित्सा शिविर लगाकर सीमा क्षेत्र के नागरिकों की सेवा में सदैव तत्पर रहा करती है साथ ही नागरिक कल्याण कार्यक्रमों के द्वारा नागरिकों को स्वावलम्बी बनाने का कार्य भी करती रहती है। इसी क्रम में यह अनूठा आयोजन कर 47वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल ने देश के नागरिकों के लिए निःस्वार्थ सेवा कर अपने कर्तव्य के उत्तरदायित्व को बखूबी पालन किया है। शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी, मोतिहारी के डॉ. अशोक कुमार, प्रयोगशाला तकनीशियन आमोद कुमार एवम् सहायक तकनीशियन विनोद कुमार श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान वाहिनी के चिकित्सक डॉ. श्रीराज एमजे, (एसीएमओ), डॉ० प्रतीक रंजन (जीडीएमओ), उप कमान्डेंट अगाले प्रियदर्शन अरुण, उप कमान्डेंट टीएच बसन्ता सिंह, इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा (एचटीयू) अधिकारियों के अलावा अन्य अनेक अधीनस्थ अधिकारी और जवानों एवं मीडिया कर्मियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को सकारात्मक सफलता में महती भूमिका निभाई।

होली को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनायें: सीओ

बीएनएम@केसरिया। बिजधरी ओपी परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में होली पर्व को शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मनाने को लेकर क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों व अन्य के साथ विचार-विमर्श किया गया। वहीं बैठक में उपस्थित लोगों को आदर्श आचार संहिता के बारे में भी जानकारी दी गई। सम्बोधित करते हुए अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने कहा कि होली पर्व आपसी भाईचारे को बढ़ावा देता है। इस लिए इस पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनायें।

दोनों समुदाय के लोगों से अपील करते हुए कहा कि रमजान का महीना भी चल रहा है। इस बीच रंगों का पर्व होली भी है। दोनों समुदाय के लोग आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनायें। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ओपी प्रभारी राजीव कुमार ने कहा कि हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। वहीं सोशल मीडिया पर भ्रामक व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस लिए सोशल मीडिया पर ऐसे कोई पोस्ट नहीं करें जिससे किसी की भावना आहत हो। मौके पर पूर्व प्रमुख प्रो सुमित्रा कुमारी यादव, सीताराम यादव, पंसस दुष्यंत कुमार सिंह, संजय किशोर तिवारी, मुखिया अजय राय, रामाधार राय, पूर्व मुखिया बच्चूलाल यादव, मो इशाक आजाद, देवालाल यादव, सर्वदेव राय सहित अन्य मौजूद थे।

नायरा हुसैन ने प्रथम रोजा रख बनाया मिशाल

मोतिहारी। मुस्लिम समाज के लिए रमजान-उल-मुबारक का पवित्र महीना माना जाता है। रहमतों व बरकतों से भरपूर इस महीने में जहां बड़ों ने रोजा रखकर शाम को इफ्तारी की तो वहीं नन्हे-मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं रहें। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी तेज धूप व भीषण गर्मी में रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे और पांचों वक्त के नमाज भी अदा किए। बताते चलें कि रमजान का पवित्र महीना रहमतों व बरकतों का महीना है। रोजा हर मुसलमान मर्द, औरत, आकील व बालिग पर फर्ज है। इस लिए इस महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजे रखते है तथा ज्यादा से ज्यादा इबादत करने में मशगूल रहते हैं। अल्लाह की इबादत करने में बड़े तो बड़े नन्हे-मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं रहे। बच्चों में भी गजब का उत्साह देखा गया। बच्चों ने भी रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल रहते है मोतिहारी के खोदा नगर के रहने वाले नासिर खान की 7 वर्षीय पुत्री नायरा हुसैन खान ने रमजान-उल-मुबारक का दूसरा अशरा के पहले दिन और रमजान के दूसरे जुम्मा को पहला रोजा रखा। रमजान का पाक महीना हमें गरीबों की मदद करने का मौका देता है। बरकतों वाले इस महीने में इबादत की जाती है। इबादत से ही अल्लाह की रहमतें बरसती है, तो जिन्दगी में सुकून मिलता है। असल में सुकून का नाम ही जन्नत है। जो लोग अल्लाह के बताए रास्ते पर चलते है, औरों के लिए भी मिसाल बनते हैं। रमजान के पवित्र महीने में रोजा रखने से सेहत को भी कई फायदे होते है। यही करण है कि लोग मानसिक और शारिरिक रूप से सेहतमंद रहने के लिए रोजा या व्रत करते है रोजेदारो के लिए खुदा की सारी मख्लुकात दुआएं करती है। यहां तक कि दरिया की मछलियां भी रोजेदार की संहतों सलामती के लिए दुआ करती है। इस तरह से रमजान के 30 दिनों के रोजे को तीन भागों में बांटा गया है. पहला रोजा रहमत का, दूसरा रोजा मगफिरत यानी माफी का और तीसरा रोजा जहन्नुम या दोजख से आजादी का होता है।

रंगोली बनाकर बिहार दिवस की शुभकामनाएं दी

मोतिहारी। बिहार दिवस के अवसर पर जिले के घोड़ासहन प्रखंड स्थित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के छात्राओं ने रंगोली बनाकर बिहार दिवस की शुभकामनाएं दी । वहीं प्रधानाचार्य शाह अकबर के द्वारा बच्चों में जुनून को देखते हुए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया तथा "जन-जन का नारा है अपना बिहार सबसे प्यारा है" का नारा देते हुए प्रभात फेरी निकाली गई जो विद्यालय से निकलकर बाजार रोड होते हुए भगत सिंह चौक के रास्ते पुनः विद्यालय पहुंची । प्रभात फेरी के दौरान छात्राओं के द्वारा बढ़ता बिहार के साथ बिहार जागे देश आगे की नारे भी लगाई गई। वही शिक्षिकाओं के द्वारा सभी छात्राओं को बिहार के धरोहर तथा बिहार से जुड़ी विभिन्न जानकारियां से रूबरू कराया गया।ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग होकर बिहार राज्य का निर्माण हुआ था।22मार्च बिहार राज्य के गठन के दिन को चिन्हित करता है और इसे बिहार दिवस के रूप में जाना जाता है। कार्यक्रम में शामिल विद्यालय शिक्षा समिति अध्यक्ष आशीष कुमार, सचिव नीतू देवी ,प्रधानाध्यापक शाह अकबर, वरीय शिक्षिका संध्या कुमारी, नीलम कुमारी , सोनी कुमारी, अर्पणा कुमारी, मुकेश कुमार, ललिता कुमारी सहित रसोइया कामेश्वर कुमार सहित प्रबुद्ध लोग मौजूद रहें।

सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचती हैं रचनाएं

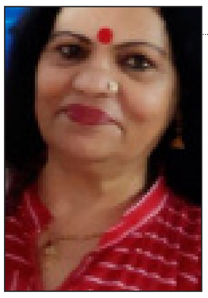

डॉ पुष्पा जोशी

बहरुपिया चांद जैसा कि इस काव्य-संग्रह का नाम है। वास्तव में चांद बहरुपिया ही है। सत्ताईस नक्षत्रों को एक-एक दिन स्वयं में आत्मसात करता हुआ अपने आकार को प्रतिदिन परिवर्तित करता रहता है।

कभी दूज का चांद कभी परेवा का चांद कभी चौथ का चांद कभी पूरी तरह अदृश्य अमावस्या का कभी पूर्ण रूप धर अपनी अद्भुत छटा बिखेरता चांद.....अब देखते हैं डॉ ज्योत्स्ना जी का चांद कैसा है.....

चांदी से चमकीले
कभी पीले कभी नीले
रौशनी से भरे-भरे
तारों संग इठलाते हो
बहरुपिया हो चांद तुम
कभी मामा ,कभी भाई
कभी बेटा ,कभी साजन
कभी गहना,कभी दुल्हन

मुझे लगता है चांद के रुप वर्णन करने से कोई लेखक, कवि अछूता नहीं रहा होगा। गद्य हो या पद्य चांद सभी जगह अपनी पकड़ बनाए रहा। हमारी डॉक्टर साहिबा ने तो चांद को पूरा काव्य -संग्रह ही समर्पित कर डाला।

कवयित्री का प्रथम काव्य-संग्रह ७५ छंदमुक्त कविताओं के साथ काव्य का अमृत महोत्सव मना रहा है। बहरुपिया चांद कविता-संग्रह में कोई भी विषय अछूता नहीं रहा है। मानवता,राष्ट्र, प्रकृति, सम्बन्ध और दोस्ती पर भी कविताएं पाठकों को यहां पढ़ने को मिलेंगी। वैसे भी दोस्ती कविता न रची गई हो तो सब निरर्थक सा लगता है। अरे ! दोस्त ही तो दोस्त की आंखों से बरसात की बूंदों में से आंसू पहचान लेता है।' दोस्ती ' 'दोस्त हैं वो मेरा ' 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेगे ' इन तीनों कविताओं का निचोड़ रही है....

बिन दोस्त जीना
क्या जीना, दोस्त
खूं के रिश्ते से भी
अज़ीज़ लगते हैं

दोस्त के लिए कही गई इस बात को किसी कसौटी की आवश्यकता नहीं।' पूनम की रात आज ' कविता में उत्कृष्ट श्रृंगार की छटा देखते ही बनती है-

ओढ़ के चूनर सितारों भरी
निकला लो चांद आज

यहां चांद का मानवीकरण पाठकों को देखने को मिलेगा।

' परिभाषा प्रेम की ' कविता की बानगी देखें...

तोड़ देता कारागार
काट देता लौह बन्धन
लांघता उफनते सागर
तोड़ता हर वर्जना
कुछ भी कर सकता है प्रेम
क्योंकि प्रेम तो बस प्रेम है

मेरे विचार से प्रेम को परिभाषित नहीं किया जा सकता।वह तो अनंत है,असीम है, अद्भुत अनुभूति का द्योतक है। प्रेम की कल्पना परिकल्पना उसे बांध नहीं सकते।

'प्यारी हिन्दी' , 'तेरे लिए ऐ देश मेरे ',' गुरु महिमा ' कविताएं अलग-अलग कलेवर से पाठकों को अपनी भाषा का मान ,देश की शान और गुरु की सम्मान करने की सीख देंगी।

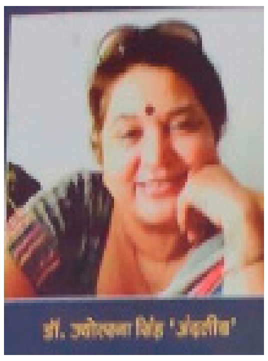

' लो जी होली तो होली ' , 'आज रंग है ',छिपाओ न प्रीत .....

होली के रंगों से पाठकों को सराबोर करती हुई कविताएं फाग के माह में पहुंचा देंगी। डॉ ज्योत्स्ना जी काव्य-संग्रह का श्री गणेश सरस्वती वंदन फिर गुरुओं के नमन से किया है।

मेरा मानना है कि अपने प्रथम काव्य-संग्रह बहरुपिया चांद में कवयित्री डॉ ज्योत्स्ना सिंह जी ने अपने शब्द-चयन और शिल्प-सौष्ठव में परिपक्वता का परिचय देते हुए अत्यंत सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचने का प्रबंध कर लिया है। आपकी काव्य का स्थाई भाव उत्कृष्टता में विराट का सृजन करे। ज्योत्स्ना जी आप कालजयी सृजन करती हुई कविता यात्रा में अग्रसर हों। बहरुपिया चांद आपके लिए मील का पत्थर साबित हो। अमृत प्रकाशन को भी उत्कृष्ट काव्य -संग्रह प्रकाशित करने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। डॉ ज्योत्स्ना जी को बहरुपिया चांद कविता-संग्रह के आत्मिक बधाई, शुभकामनाएं देती हूं।

पुस्तक समीक्षा-बहरुपिया चांद (कविता-संग्रह)

रचयिता-डॉ.ज्योत्स्ना सिंह 'अंदलीब '
छंदमुक्त कविताएं-75 मूल्य-350 रूपए
पृष्ठ-168 अमृत प्रकाशन दिल्ली

पूजा 'बहार'

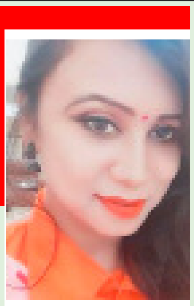

उसने बिना मांगे
सब कुछ दिया।।

दर्द दिया
तन्हाई दी
आँसू दिए
बेवफाई दी।।

ज़माने भर के
ग़म दिए।।

रुसवाईयां दीं
नहीं दिया तो बस
वो थोड़ा सा
वक़्त।।

जिस पर
मेरा हक़ था
सिर्फ मेरा!!!

कविता : मां

मां ऐसा कहती है
संभल संभल के चलना बेटा
दुनियां की राहों में कष्ट बहुत आएगा बेटा
जीवन की इन पड़ावों मे
ये संसार ऐसा ही हैं
जिसने सीता माता पर भी
मिथ्या आरोप लगाया था
तुम तो साधारण सी लडकी हो
दुनिया कि बातो उलझ गई तो
मार्ग भटक जाओगी
सोच समझकर निर्णय लेना बेटा
दुनिया की इन राहों में
द्रौपदी की लाज बचाने
कृष्ण मुरारी आये थे
अब तो कलयुग है कृष्ण कहां से आएंगे
कैसे तुम्हे बचायगे
तुम्हे अपनी लड़ाई
स्वयं लड़नी होगी वीरागना बनकर
अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
यदि हिम्मत हार गई तो
कैसे तो कैसे लड़ पाओगी
हिम्मत साहस से चलना बेटा
दुनिया की इन राहों में ।।

राजा मीना
मीना हाई कोर्टनांगल राजावतान
दौसा (राज.) मो.9782253457

व्यंग्य: सुबह और शाम चाय का नाम

अशोक व्यास

चाय को अंतर्राष्ट्रीय पेय की मान्यता शायद अभी तक नहीं मिली हो लेकिन एक आम भारतीय सुबह उठकर भगवान का नाम भले ही न ले परन्तु वह चाय को इतनी शिद्दत से याद करता है कि सारी कायनात उसकी इच्छा को पूरी करने के लिये परिवार सहित जुट जाती है . साथ में परिवार के सदस्य भी चाय पीने के लिये लालायित होने लगते हैं. इसी वजह से भारत में चाय को भारतीयों ने अघोषित रूप से राष्ट्रीय पेय का दर्जा दे रखा है और अनुमान है कि विश्व में सबसे अधिक चाय उत्पादन के साथ साथ सबसे अधिक चाय पीने का सोभाग्य भी हमें ही प्राप्त है.

हम सुबह उठने से लेकर रात को सोने के समय तक कभी भी चाय पी सकते हैं चाय पीना हमारा सबसे बड़ा शौक है, पेशन है. उसकी गरिमा कम ना हो जाये इसलिए जैसे पेट्रोल के दाम यदाकदा बढ़ जाते है उसी प्रकार सरकारी और गैर सरकारी दूध बेचने वाले भी दूध के दाम अक्सर बड़ा देते हैं. अगर नहीं बढ़ाएं तो लगता है कि चाय की प्रतिष्ठा कहीं कम तो नहीं हो गई है। अतः दूसरे ही महीने फटाक से दूध या चायपत्ती या शक्कर में से किसी ना किसी के दाम बढ़ ही जाते हैं तब जाकर छाती में ठंडक नहीं गर्मी का एहसास होने लगता है. वैसे अब आवश्यक वस्तुओं का भाव बढ़ने से कोई आश्चर्य नहीं होता है क्योंकि इससे हमारी क्रय शक्ति बढ़ने का सरकार को पता चलता रहता है जिससे उसे टेक्स बढ़ाने में सुविधा हो जाती है. अगर दाम नहीं बढ़े तब जरूर ऐसा लगता है कि आम आदमी की किरकिरी हो गई हो कि यह साला चाय का खर्च भी वहन करने की कुव्वत नहीं रखता है. दूध के दाम बढ़ गए तो ऐसा लगा जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल के दाम बड़ गए हो. चाय पत्ती पहले ही 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने' की तरह हो गई है शक्कर की मिठास किसान को गन्ने पर मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है. मतलब यह है कि भारतीय अपना राष्ट्रीय पेय पीने पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं. कुछ तो चाय की ज्यादा तारीफ करके हमने ही उसकी आदतें खराब की कि वो स्पेशल हो गई है क्योंकि पहले होती थी चाह वाली चालू चाय और अब वह बन गई है गोल्डन, कड़क मीठी स्पेशल चा.....य जब वह वाकई में चालू हुआ करती थी तब उसकी जो इज्जत थी वह इस कारण थी कि चाय तब ही चाय मानी जाती थी जब वह लबसोज हो, लबदोज हो और लबरेज हो यानी चाय इतनी गरम हो की होंठ जल जाए, इतनी मीठी हो की होंठ चिपक जाए और प्याले में इतनी भरी हो कि प्लेट में डालकर सुड़कते हुए पिया जाए.

एक जमाना था जब चाय पीते हुए एक से बढ़कर एक चर्चाएं होती थी उसके बाद एक दौर आया की चाय पीते हुए चर्चा नहीं बल्कि खुद चाय पर चर्चा होने लगी इस चक्कर में सरकारों की चला चली के बेला आ गई थी. बताओ भला यह क्या बात हुई कि जो बातें चाय पीते हुए होती थी उसे छोड़कर सब चाय पर चर्चा करने लगे. इस चक्कर में आजकल चाय पीने वालों का अवमूल्यन होने लगा है किसी से चाय पीने का पूछो तो कोई कहेगा नहीं मैं चाय नहीं पीता हूं, दूसरा कहेगा बस थोड़ी सी देना,

चौथा कहेगा मैं तो काफी पीता हूं, पांचवा कहेगा में तो कुछ और पीता हूं. यह तो सरासर अपमान है अंग्रेजों की दी गई नेमत का. हालांकि उसमें भारतीय किचन के जितने मसाले हैं उसे डालकर हम उसे अमृत बना चुके हैं. अब यह हो रहा है कि चाय की चर्चा नहीं, चाय पर चर्चा नहीं, चाय पर खर्चे की बात होने लगी. मंहगी चाय पत्ती, पेट्रोल के बड़ते दामों की तरह अचानक दूध के दाम में बढोतरी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में शक्कर की कमी के कारण निर्यात करना यह सब फालतू बातें होने लगी. पुराने लोगों से पूछो तो वह कहेंगे 'साहब चाय तो हमारे जमाने में पी जाती थी यह नए लोग क्या जाने एक प्याली में दो घूंट भी बड़ी मुश्किल से पी पाते हैं. हमारे जमाने में तो थाली में डालकर चाय पीते थे. उसके बाद गिलास भरकर पीने लगे फिर कप प्लेट का जमाना आ गया तो उसमें भी हमने कोई कमी नहीं की थी दो कप चाय से कम नहीं पीते थे वर्ना तोहीन मानी जाती थी चाय की और पीने वाले दोनों की '.

चाय का जीवन में पिछली शताब्दी में इतना महत्व था कि जब भी किसी जवान हुई कन्या की मां को उसकी शादी का ख्याल आता था तो वह होने वाले दामाद को चाय पर बुला लेती थी. तब वह कन्या भी फट से समझ जाती थी और अपने प्रेमी से गा गा कर कहती थी कि ' शायद मेरी शादी का ख्याल दिल में आया है इसीलिए मम्मी ने मेरी तुम्हें चाय पर बुलाया है'.

सगाई संबंध कराने में चाय का इससे बड़ा सामाजिक योगदान क्या हो सकता है. सत्तर अस्सी के दशक में तो कन्या के हायर सेकेंडरी करने के बाद होम साइंस से ग्रेजुएट करने को शादी से पूर्व का वेटिंग इन पीरियड माना जाता था. तब और कुछ सीखती या ना सीखती टीकोजी बनाना जरूर सीखती थी. आज की पीढ़ी अगर सुन ले तो उसे कोई पारले जी की तरह कोई बिस्कुट समझ ले जबकि यह भी अंग्रेजों की देन थी.

उस समय टीकोजी का एक ही बार इस्तेमाल होता था जब लड़का उस कन्या को देखने आता था. तब कन्या सर पर पल्ला रखकर आहिस्ता और सधे हुए कदमों से चलकर आती थी घरवाले कहते थे 'बेटी मेहमानों को चाय पिलाओ' तब वह छोटी बहन या भाभी द्वारा पहले से लाई गई घर के एकमात्र टीसेट जिसका काम भी एक ही बार पड़ता था उस की केटली से टीकोजी ऐसे उठाती थी जैसे किसी का घूंट उठाया जा रहा हो. तब एक हाथ से केटली के हैंडल को और दूसरे हाथ को ढक्कन पर रखकर कप में चाय भरकर मेहमानों को देती थी. इस सारी प्रक्रिया को लड़के के साथ आने वाली महिलाएं इतनी तीक्ष्ण दृष्टि से देखती थी जैसे होम साइंस प्रेक्टिकल का परीक्षक देख रहा हो. बिना आवाज किए, बिना चाय गिरे अगर लड़की ने चाय को पेश कर दी तो समझो प्रैक्टिकल में पूरे नंबर मिल गए आगे तो संबंध पक्का होना ही समझो.

इसी प्रकार कोई भी धार्मिक कर्मकांड बिना चाय का दौर चले पूरा नहीं माना जाता है उसमे पूजा सामग्री के साथ चाय का भी प्रावधान करना पड़ता है।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैंलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैंलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे1 इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है1 आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है1

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है1 अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है 1 इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है1

हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है1 वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है1 कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है1 हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है1 अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है1 आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण1 हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है 1 आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी 1 कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है 1 लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी1 कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है 1 सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए 1 साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है1 आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है-

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है1

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना1

लघुकथा: मेरा नाम क्या है

वीरेंद्र बहादुर सिंह

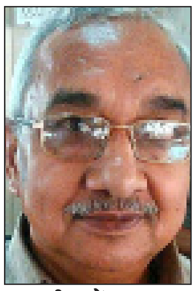

इक्यान्नवे साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पत्नी भी 'कहती हूं' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पत्नी के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की वजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बतंगड़ बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हां में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी।

अरे यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हां, वही तो कह रहा हूं। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यही तो कह कर बुलाता हूं। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिठाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूं तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में है न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की वजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूं।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ गए। मैं भी कैसा आदमी हूं कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

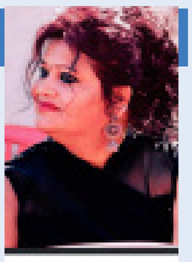

एहसास __

अलहदा है अकेले पन का सुकून,
अनोखा रहस्यमय आभास,
कई रक्तिम आभाओं को समेटे
बांधे रखता है खुद से खुद को !
कई भूली बिसरी यादें,
कुछ सिमटी सी परछाइयां,
थम सी जाती है जहन में,
दर्पण की मानिंद निहारतीं है खुद को,
दे जाती है कई सपने,
और आंखों में घूम जाती है एक सुनहरी सदी !
यादों के भंवर लेकर बदल जाते हैं मन के पलचिन्ह,
अनवरत कारवां गुज़र जाता है पहरों तक,
समय का ठहराव रुकता नही,न रूठना,
न मनाना बस अंतर्द्वंद्व का निश्छल बहते जाना !
जिज्ञासा मंद पड़ जाती है,
तृष्णा शनैः स्वतः शांत हो जाती है,
न पाना न खोना,न मिलना,न बिछड़ना,
जिंदगी का बस यूं ही चलते जाना !

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

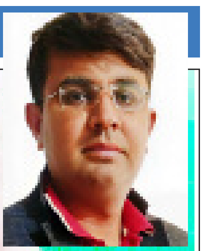

हारा-थका किसान

बजते घुंघरू बैल के, मानो गाये गीत।
चप्पा-चप्पा खिल उठे, पा हलधर की प्रीत।।
देता पानी खेत को, जागे सारी रात।
चुनकर कांटे बांटता, फूलों की सौगात।।

आंधी खेल बिगाड़ती, मौसम दे अभिशाप।
मेहनत से न भागता, सर्दी हो या ताप।।
बदल गया मौसम अहो, हारा-थका किसान।
सूखे-सूखे खेत हैं, सूने बिन खलिहान।।

चूल्हा कैसे यूं जले, रही न कौड़ी पास।
रोते बच्चे देखकर, होता खूब उदास।।
ख़्वाबों में खिलते रहे, पीले सरसों खेत।
धरती बंजर हो गई, दिखे रेत ही रेत।।

दीपों की रंगीनियाँ, होली का अनुराग।
रोई आँखें देखकर, नहीं हमारे भाग।।
दुख-दर्दों से है भरा, हलधर का संसार।
सच्चे दिल से पर करे, ये माटी से प्यार।।

(सत्यवान 'सौरभ' के चर्चित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' से।)

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

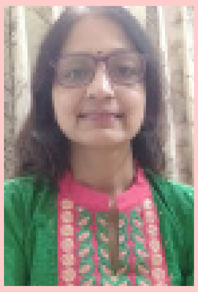

ये अधूरे प्रेम-पत्र..

हैरत की बात है न
जब भी लिखना चाहा
आसमां ने
एक प्रेम-पत्र
धरा के लिए,
कुछ लिख ही नही सका
बस, पिघल गया
बारिश बनकर,
शायद इसीलिए
धरा भी लिखती रही
सभी असंम्प्रेषित खतों के जवाब
हरी चुनर पहनकर
चुपचाप ही !!
सुनों..
इसी आपसी लिखावट में
खोजते चले आ रहे हैं
हम-तुम
अपना-अपना प्रेम
सदियों से अब तक !!

यूं भी
कितना सुखद होता है न
कभी-कभी
कुछ न लिख पाना
किसी के लिए,
और.. पढ़ा जाना
उसके द्वारा
सारा का सारा
वो अलिखा भी !!
तो हैं न कितने खूबसूरत
ये अधूरे प्रेम-पत्र
अपने संपूर्ण प्रेम के साथ !!

Saturday
23 March 2024

BNM Fantasy

शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं तापसी

इन दिनों बॉलीवुड में शादियों का सीजन चल रहा है. हाल ही में रुकल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंधे हैं. वहीं ऐसा भी कहा जा रहा है कि मार्च में पुलकित सम्राट-कृति खरबंदा भी शादी करने वाले हैं. इसी बीच अब तापसी पन्नू को लेकर भी कुछ ऐसी ही खबर आ रही है. एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार तापसी और उनके बॉयफ्रेंड मैथियास बोए ने भी शादी करने का फैसला किया है. बताया जा रहा है कि दोनों की शादी अगले महीने यानी मार्च में होगी. ये कार्यक्रम उदयपुर में होगा. कहा जा रहा है कि दोनों सिख और ईसाई धर्म के रीति-रिवाज के अनुसार शादी के बंधन में बंधेंगे.

सरगुन मेहता ने किया शाहरुख खान से मिलने से मना

सरगुन मेहता टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हैं. टीवी शोज के अलावा सरगुन कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने शाहरुख खान का जिक्र किया है. वो शाहरुख की बड़ी फैन हैं. लेकिन आज तक उनसे मिली नहीं हैं. हालांकि उन्हें शाहरुख से कई बार मिलने का मौका मिला, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था. इस ऑफर को ठुकराने की वजह जानकर आप हैरान हो जाएंगे. बातचीत के दौरान सरगुन मेहता ने कहा "बचपन से या यूं कहूं कि मैंने एक्टिंग लाइन में इसलिए आई क्योंकि मुझे शाहरुख खान के साथ काम करना था और मुझे उनके साथ रोमांस करना था." उन्होंने आगे कहा "रवि (उनके पति) मुझसे कहते हैं कि आज शाहरुख खान शूट पर आ रहे हैं, आओ उनसे मिल लेना. मैं हर बार उन्हें मना कर देती हूं. मैं शाहरुख से किसी फैन की तरह नहीं मिलना चाहती. ऐसा मैं इसलिए नहीं चाहती क्योंकि वो मुझसे मिलेंगे और मुझे भूल जाएंगे और इस बात का मुझे बहुत दुख होगा. इसलिए मैंने सोचा है कि मैं उनसे तब ही मिलने जाऊंगी जब मैं उनके साथ काम करूंगी."सरगुन मेहता ने आगे बताया कि भले ही वो शाहरुख से मिली न हों, लेकिन शाहरुख ने उनके लिए एक वीडियो मैसेज भेजा था. सरगुन के अनुसार रवि से शाहरुख से कहा कि वो उनकी बड़ी फैन हैं, लेकिन वो तब तक आप से नहीं मिलेंगी जब तक आप उनके साथ कोई प्रोजेक्ट न करें. सरगुन ने शाहरुख की इस वीडियो पर बात करते हुए कहा कि वो क्लिप अभी भी उनके पास है, जिसमें शाहरुख ने सरगुन को ये मैसेज दिया.

फरार घोषित हुईं बॉलीवुड एक्ट्रेस जया प्रदा

कोर्ट ने गिरफ्तार करने का दिया आदेश

रामपुर की एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट की तरफ से बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व सांसद जया प्रदा को फरार घोषित किया गया है. कोर्ट ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार कर हाजिर करने के आदेश दिए हैं. दरअसल, ये मामला 2019 लोकसभा चुनाव के समय का है. एक्ट्रेस के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के दो मामले दर्ज हुए थे. पूर्व सांसद व फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा के खिलाफ रामपुर की एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट की तरफ से धारा 82 के तहत कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं. 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कोर्ट में नहीं पहुंचने पर जया प्रदा के ऊपर तकरीबन 9 बार गैर जमानती वारंट जारी हो चुके हैं. हालांकि अब लंबे समय तक कोर्ट में हाजिर ना होने पर उनके खिलाफ फरार होने की घोषणा की कार्रवाई की गई है. 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी व बहुजन समाज पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी आजम खान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा को प्रत्याशी बनाया था. चुनाव प्रचार के दौरान जया प्रदा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के दो मुकदमे दर्ज किए गए थे. जिसकी सुनवाई रामपुर की एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में चल रही है. काफी समय से जया प्रदा कोर्ट में हाजिर नहीं हुई. उसके बाद कोर्ट ने कई बार गैर जमानती वारंट भी जारी किए. मंगलवार को भी कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन जया प्रदा कोर्ट नहीं पहुंची. जिसके बाद कोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 82 की कार्रवाई की है. एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट के अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जया प्रदा को बयान दर्ज करने के लिए कोर्ट ने तलब किया था. काफी समय से जयप्रदा कोर्ट में हाजिर नही हो रही थीं. पुलिस द्वारा कोर्ट में बताया गया कि जया प्रदा का मोबाइल फोन भी ऑफ है. कोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्रवाई की है और साथ ही पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी को टीम गठित कर जया प्रदा को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं. सुनवाई की अगली तारीख 6 मार्च तय की गई है.